

p>

Title: Need to formulate a national policy for welfare of farmers in the country- Laid

श्री छतरसिंह दरबार (धार): भारत एक कृषि प्रधान देश है । कभी हमारी अर्थव्यवस्था का मूल आधार कृषि ही थी । देश की 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यो पर ही निर्भर है । देश के किसान हर वर्ष बाढ़ ओर सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं के शिकार होते हैं जिसके कारण वे कर्ज के बोझ से दब जाते हैं । देश में कृषि योग्य भूमि निरंतर घटती जा रही है तथा खेती को जिस अनुपात में सिंचाई-बिजली चाहिए वह उपलब्ध नहीं है । आज भी देश के किसानों में असंतोष की मूल वजह उर्वरक, कीटनाशक, बीज और श्रमिकों के मूल्य में बेतहाशा बढ़ोत्तरी है । इस सम्बन्ध में मेरा सरकार से आग्रह है कि वह किसान के हित एवं कल्याण हेतु एक राष्ट्रीय नीति बनाए जिससे किसानों को होने वाली समस्याओं का समाधान हो सके ।